आवसामि, *aras* «a dwelling-house» v. आवास; fortasse *fuirighim* «I stay, wait, tarry, delay» = वसयामि, v. 2. वस्; gr. ἄσ-τυ, ϝάσ-τυ, ἑσ-τία, Ἑστία, lat. *Ves-ta, vesti-bulum, ver-na, Lases, Lares,* cum *l* pro *v*; fortasse etiam *vâs, vâsum* huc pertinent; v. Pott I. 279. Ag. Benary *Römische Lautlehre* p. 49.)

c. अधि habitare, *c. acc. loci.* R. Schl. I. 34. 46.: पुरीम् अध्यवसत्. *Part. pass.* N. 12. 64.: तापसाध्युषितम् … आश्रममण्डलम्; A. 10. 13.

c. अनु habitare, *c. loc. loci et acc. pers. apud quam quis habitat.* R. Schl. II. 37. 26.: वने वसन्तङ् काकुत्स्थम् अनुवत्स्यति; 88. 25. Mah. 3. 14758.

c. आ habitare, *c. acc. s. loc. loci.* Mah. 3. 8032.: लोकान् आवसते शुभान्; 2014.: आवसन् … काम्यके भरतर्षभाः. — *Caus.* आवासयामि 1) habitare facio, excipio. R. Schl. II. 12. 101. 2) habito. A. 9. 27.: इदम् (नगरम्) … कस्माद् देवा ना ऽऽवासयन्ति.

c. आ praef. अधि *i. q.* आवस्. Mah. 1. 5512.

c. आ praef. सम् *id.* R. Schl. II. 54. 41. *Caus.* habitare facio. कटकम् castra locanda curo. Hit. 39. 5.

c. उप jejunare. Man. 2. 220.: उपवसेद् दिनम्; Mah. 3. 5092. *V.* उपवास.

c. नि habitare. N. 14. 15. 16.

c. नि praef. सम् commorari. Sa. 5. 29.

c. निस् in exteris locis habitare. Mah. 3. 12344.: दुर्गवासम् बङ्धा निरुष्य … आसेदुर् अत्यर्थमनोरमन् ते तम् आश्रमम्. — *Caus.* in exilium agere, expellere. Mah. 2. 2644.: राष्ट्रेभ्यः पाण्डुदायादान् … निर्वासयन्ति ये. Up. 66. R. Schl. II. 21. 4. 39. 11.

c. परि पर्युषित vetus, corruptus. Bh. 17. 10.: पूतिपर्युषितम् … भोजनम्. *TROP.* vanus. N. 21. 13.: पर्युषितं वाक्यम्.

c. प्र in exteris locis habitare. R. Schl. II. 36. 8.: प्रवत्स्यति सुखं वने; Sa. 5. 63.: प्रोष्या ऽऽगत इव. — *Caus.* in exteris locis habitare jubeo, in exilium ago. R. Schl. II. 49. 6.: या पुत्रम् … प्रव्रासयति धार्मिकं वनवासे; Man. 10. 96.: तं राजा प्रवासयेत्.

c. प्र praef. वि *id.* N. 17. 19. Man. 2. 132. — *Caus.* in exilium agere, expellere. Man. 8. 219.: तं राष्ट्राद् विप्रवासयेत्.

c. प्रति *i. q. simpl.* A. 5. 11.

c. वि habitare. R. Schl. II. 23. 23.: अरण्ये ते विवत्स्यन्ति चतुर्दश समाः. Degere, *praesertim noctem.* N. 17. 28.: सा व्युष्टा रजनीन् तत्र; 25. 1.: व्युषितो रात्रिन् नलः. — व्युष्ट *sens. pass.* रजनी व्युष्टा. Mah. 1. 1205. 3. 11917. R. Schl. II. 54. 37. — *Caus.* in exteris locis habitare jubeo, in exilium ago. Mah. 3. 8277. H. 1. 43. R. Schl. I. 1. 23.

c. सम् una habitare *c. aliquo, c. acc. pers.* Man. 11. 190.: स्त्रीहन्तृंश्च न संवसेत्.

2. वस् 10. *P.* वसयामि habitare.

3. वस् 2. *A.* sibi induere. R. Schl. II. 37. 7.: मुनिवस्त्राण्य् अवस्त; Man. 2. 41.: चर्माणि … वसीरन्; 6. 6.: वसीत चर्मचीरम्. (Goth. *vasja* vestio = *Caus.* वासयामि, v. gr. comp. 109[a]. 6.; *vas-ti* (Them. *vastjô*) pallium; fortasse germ. vet. *wât* f. vestis (Them. *wâti*) e *was-ti*; lat. *ves-tis*; gr. ἐσ-θής, ἕν-νυμι per assim. pro ἕσ-νυμι, fut. ἕσ-σω; cambro-brit. *gwisg,* armor. *gwisk* vestitus.)

c. नि *Caus. P.* induere. N. 14. 24.: वासश्चे ऽदन् निवासयेः.

c. प्र *i. q. simpl.* R. Schl. II. 100. 30.: मृगाजिने सो ऽयम् इह प्रवस्ते.

c. प्रति *Caus.* induere. Mah. 2. 2502.: अजिनैः प्रतिवासिताः.

c. वि *Caus.* induere. — *Pass. Caus. c. nom. pers. et acc. rei.* Mah. 2. 2420.: विवास्यन्तां रुरुचर्माणि सर्वे.

4. वस् 4. *P.* (स्तम्भे) stabilire, fulcire, immobilem reddere.

5. वस् 10. *P.* वासयामि (स्नेहनच्छेदनहननेषु *K.* स्नेहच्छिदोः वधे *V.*) amare; findere, abscindere; occidere.

वसति *f.* (r. 1. वस् s. अति vel potius ति servato charactere primae classis) 1) habitatio, domus. Hit. 5. 10. 2) nox. Sa. 4. 5. (Hib. *fosadh* «a delaying, staying, resting, cessation».)